संचार माध्यमों का विदर्भ के किसानों की जीवन शैली पर प्रभाव

(Effect Of Communication Medium On The Lifestyle 0f The Farmers In Vidarbha)

विकास एवं शांति अध्ययन में एम. फिल. उपाधि के लिए प्रस्तुत

लघु शोध सारांश

सत्र : 2015-16

शोध निर्देशक
डॉ. चित्रा माली
सहायक प्रोफेसर

शोधार्थी
ओमप्रकाश रतिराम पवार
एम. फिल. विकास एवं शांति अध्ययन
पंजी. क्र.-2015/03/222/015

संस्कृति विद्यापीठ
(विकास एवं शांति अध्ययन विभाग)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारितअधिनियम1997 क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित

व "NACC" द्वार 'A'' मान्यता प्राप्त केंद्रीय विश्वविद्यालय)

गांधी हिल्स,वर्धा-442005 (महाराष्ट्र) भारत

दूरभाष : 07152-251170, वेबसाइट. www.hindivishwa.in

शोध सारांश

शोध विषय **"संचार माध्यमों का विदर्भ के किसानों की जीवन शैली पर प्रभाव"** के अध्ययन के लिए शोध क्षेत्र के रूप में विदर्भ के वर्धा जिले से 20 गांवों को चुना गया है। शोध का पूरा फोकस इस बात पर है कि कौन-कौन से संचार माध्यम किसानों के बीच में सूचना तंत्र के रूप में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। प्रस्तावना में शोध प्रविधि, उद्देश्य और महत्व के बारे में बताया गया है। पहले अध्याय में संचार क्रांति के ऐतिहासिक पहलुओं के बारे में बताया गया है कि सूचना तकनीक ने कैसे-कैसे अपनी विकास यात्रा तय की है और कृषि क्षेत्र के लिए योगदान दिया है।

संचार के रूप में समाज में उपस्थित विभिन्न स्वरूपों का विश्लेषणात्मक चरित्र प्रस्तुत किया गया है साथ ही बताने का प्रयास किया गया है कि प्राचीन समाज का स्वरूप क्या था कैसे उसने संचार के स्वरूप को धीरे-धीरे विकसित किया साथ ही फलते-फूलते सूचना और संचार माध्यमों की नई इबारत रची। धीरे-धीरे समय बढ़ता गया और परंपरागत संचार माध्यमों की जगह नई सूचना तकनीकों ने ले ली, रेडियो और दूरदर्शन के कार्यक्रमों में कृषि आधारित कार्यक्रमों ने लोगों के दिलों में जगह बनाई। कई कृषि आधारित कार्यक्रमों के अलावा मनोरंजन और समाचार के भी कार्यक्रम प्रस्तुत होने लगे। ऐसे ही कई ऐतिहासिक पहलु हैं जिनके बारे में जानना शोध विषय के संदर्भ में प्राशंगिक है।

दूसरे अध्याय में बताया गया है कि आमजनमानस से संवाद के रूप में संचार उपकरण आज किस-किस रूप में समाज में उपस्थित है साथ ही संचार के महत्व और उसकी प्रासंगिकता के बारे में बताया गया है। सूचना क्रांति के आने के बाद कृषि जीवन में क्या-क्या बदलाव आए हैं इस विषय पर गंभीरता से प्रकाश डाला गया है। इसके अलावा इस अध्याय में ग्रामीण पत्रकारिता के बारे में तुलनात्मक चर्चा की गई है कि पहले ग्रामीण पत्रकारिता का क्या स्वरूप था और वर्तमान में इसका क्या स्वरुप है।

इस अध्याय में किसान और ग्रामीणजनों की बात कही है कि ग्रामीण जीवन से अगर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कमजोर पड़ जाए तो क्या-क्या दुष्परिणाम सामने आते है। इसके अलावा कृषि संचार के साथ लघु उद्योग के विकास के बारे में चर्चा की गई है, इसमें बताया गया है कि सही रूप में अगर संचार तंत्र जनसूचना का मजबूत माध्यम बन जाए तो निश्चित ही लघु उद्योगों के माध्यम से ग्रामीण जीवन में नई क्रांति लाई जा सकती है।

तीसरे अध्याय में शोध क्षेत्र से संबंधित आंकड़ों और तथ्यों का विश्लेषण किया गया है। संचार क्रांति का किसान जीवन पर प्रभाव पड़ा है अथवा नहीं ? जो आंकड़े निकलकर सामने आए हैं वह शोध उपकल्पना के पक्षधर थे। किसानों के निजी जीवन में संचार का हस्तक्षेप नगण्य है। विश्लेषण के आधार पर संपूर्ण शोध को स्पष्ट रूप से समझाया गया है। अंतिम और चौथे अध्याय में शोध आंकड़ों का विश्लेषण और उपकल्पना को केंद्र में रखकर निष्कर्ष, शोध की सीमाएं, सुझाव दिया गया है। इसके अलावा एग्रीकल्चर ऑफिसर, जिला जनसंपर्क अधिकारी और किसान आंदोलन के नेता से विशेष तौर पर "संचार माध्यमों का विदर्भ के किसानों की जीवन शैली पर प्रभाव" विषय पर साक्षात्कार भी लिए जिसकी पूरी विवेचना परिशिष्ट में की गई है।

Research Summary

The topic of research study is **"Effect Of Communication Medium On The Lifestyle 0f The Farmers In Vidarbha"**. The selection of 20 villages of Wardha districts mainly focussed on which medium is actively participated to transmit information. Study has their procedure, objective and importance. The first chapter described the history of communication revolution that shows the development of different forms of communication technology and its contribution in agriculture sector.

Have tried to give details of different forms of communication present in society have their analytical character is presented. What was the nature of the ancient society, how he gradually developed the format of communication as well as created a new chapter of burgeoning information and communication mediums. By over time new information technologies has taken the place of traditional media, radio, television programs, agricultural programs. DD and Radio Program make place in the hearts of people. Many agriculture-based programs began to be offered in addition to the entertainment and news programs. There are many historical aspects to know about in the context of research which is relevant.

In the second chapter have described the tool of communication to communicate common people Which is present today in society as well as about the importance of communication and its relevance is described. have focused on What kind of changes take place in the life of farmers after the arrival of the information revolution. After that have discussed comparatively about the present and past form of rural journalism.

This chapter talks about the farmer and the rural and also if the fourth pillar of democracy is weak, then what consequences arise in the rural life. Further communication with agriculture has been discussed about the development of small scale industry, it has been reported that if communication mechanism of Public Information become stronger then surely MSMEs definitely bring a revolution in rural life.

In the third chapter of the research related to the field data has been analyzed. The communications revolution has had an impact on farmers' lives or not? Figures which have emerged out of the research favored sub imagination. Communication is minimal interference in the private lives of farmers' lives. these thing has been clearly explained

on the basis on the analysis of the research. After that has been suggested on the basis of analyzing the data and research obtained by placing the center about the landscape findings and research limitations. After all have included the interview of Agriculture Officer, District Public Relations Officer and particularly the peasant movement leader "Effect Of Communication Medium On The Lifestyle 0f The Farmers In Vidarbha" Also, this is fully discussed in the appendix.